एस.एस. कॉलेज, जहानाबाद

संस्कृत विभाग

संधि-प्रकरण

स्वर संधि

- डॉ. विनोद कुमार रॉय

वृद्धिसंधि:

सूत्र - वृद्धिरेचि

अवर्ण से एच् (ए ओ ङ् । ऐ औ च् ।) परे होने पर पूर्व व पर के स्थान पर एक वृद्धि आदेश हो जाता है। अवर्ण में अ और आ दोनों की गणना होगी।

एच् का अर्थ है = ए ओ ङ् । ऐ औ च् ।

तात्पर्य यह है कि,

अ या आ के परे यदि ए या ऐ रहे तो ऐ और ओ या औ रहे तो औ हो जाता है।

यथा,

अ/आ + ए/ऐ =ऐ

तदैव = तदा + एव

वसुधैव = वसुधा + एव

एकैक: = एक + एक:

पुत्रैषणा = पुत्र + एषणा

सदैव = सदा + एव

महैश्वर्यम् = महा + ऐश्वर्यम्

अद्यैव = अद्य + एव

मतैक्यम् = मत + ऐक्यम्

अ/आ + ओ/औ = औ

गंगौघ:= गंगा + ओघ:

महौषधि:= महा + औषधि:

महौजः = महा + ओजः

----------xxx----------